रात्री क्लास 10.10.66

चित्रों को देखने से भी शिवबाबा तो याद पड़ते ही है।।बाप को याद तो जरूर करते ही होंगे।बाप को और रचना की आदि ,मध्य ,अंत को याद करें, बस याद की यात्रा हुई।खयाल भी चलता है कि कैसे चित्र बनावे।आइडिया देनी पड़ती है।जैसे बाबा ने कहा वो अमृत पिलाती है और वो विख मांगता है।इनका चित्र भी वंडरफुल चाहिए।यू ंतो पवित्रता सुन राजी भी होते हैं।सुनाना है यहां सारा पवित्रता पर मदार है।हंगामा भी इस पर होता है।ब्रह्माकुमारियों का नाम बहुत हो गया है कि यह भगाती हैं।यह समझाना पड़ता है कि भगाती हैं विश्व का महाराजा–महारानी बनाने।कृष्ण ने भी भगाया महारानी–महाराजा बनाने लिए।फिर गाली देने की क्या दरकार थी?कोई साहस नहीं कर सकते हैं पवित्र रहने का।संगदोष भी बहुत हैं।13–14 साल के होते हैं तो नज़र बिगड़ पड़ती है।देखा गया है 8–10 साल के बच्चों की भी नज़र खराब हो जाती है।भ्रष्टाचारी दुनियां है ना।इसमें कोई को श्रेष्ठाचारी बनाने में मेहनत लगती है और बड़ी सम्भाल भी करनी पड़ती है।सैन्टर में बहुत प्रकार के आते हैं।कोई गंदा निकलता तो माथा खराब कर देते।आजकल गुण्डों का बाजार गर्म है।दुनियां बहुत गंदी है।यह सिर्फ तुम बच्चे ही जानते हो।यह बाप के लिए कोई नई बात नहीं है।यह तूफान आते हैं सर्विस में विघ्न पड़ते हैं।आखरीन विजय तो बच्चों की ही है।बीच में अनेक प्रकार के तूफान आते हैं।खिवैया आये हैं पार ले जाने।यह.....भारत का बेड़ा पार करना है।तूफान हैं रावण का।नैया को तूफान जरूर लगेंगे।नैया को भी तूफान जब लगते हैं तो कोई2 नैया डूब भी जाती है।देखा जाता है कि भल कोई बच्चे को चलते2 ठोकर लग जाती है।फिर ना आते हैं तो ऐसे नहीं कहेंगे कि बुड्ढा डूब गया।नहीं।पद जो उंच पाना था वो ना पाय सका।फिर भी स्वर्ग में तो आवेंगे ना।ज्ञान का विनाश नहीं होता।यहां जो आते हैं उनका कोई ना कोई प्रकार से कल्याण जरूर होता है।अच्छा, चण्डाल का जन्म पावेंगे फिर भी स्वर्ग में तो आवेंगे ना।बाकी हां, चपेट बड़ी जोर से लगती है।अवस्था मजबूत नहीं है तो गिर पड़ते हैं।सर्विस को युक्ति से चलाना पड़ता है।बहुत सहनशीलता भी रखनी पड़ती है और बहुत मीठा शांत स्वरूप होना पड़ता है।गुण्डा आ जावे उनको भी प्यार से बाहर निकाला जाता है।झगड़ा नहीं करना होता है।सैंटर में कोई झगड़ा ना हो तो अच्छा है।ईश्वरीय यज्ञ में विघ्न पड़ेंगे।ड्रामानुसार यह होना है जरूर।ड्रामा में नूंध है तो उसको मिटाय थोड़े ही सकेंगे।बाप समर्थ है जो आकर पतितों को पावन बनाय सद्गति देते हैं।मगर तूफान ,विघ्न तो आवेंगे ही।ऐसे थोड़े ही बाप विघ्नों को उड़ाय दें।ड्रामा में विघ्नों की भी नूंध है।तब तो कहते हैं विघ्न पड़ते हैं।अत्याचार होते हैं।बड़ा युक्ति से चलना पड़ता है।लाल भी बने और इस दुनियां से भी प्रीत निभवे।बहुत गुप्त हैं।बाप आते हैं राजधानी की स्थापना करने।तुम बच्चों को कोई लड़ाई आदि नहीं करनी होती है।बाहुबल और योगबल।बाहुबल से हद की राजाई मिलती योगबल से विश्व पर राज्य प्राप्त कर सकते है।इसलिए ही योगबल की महिमा है।योगबल से बाप से वर्सा मिलता है।बाप कहते हैं मेरे साथ योग रखने से तुम्हारी आमा बलवान बनेगी।तुम पवित्र बनेंगे तो पवित्रता की ताकत मिलती है एवर प्योर बाप से।इसलिए बाप कहते हैं कि मुझे याद करो तो बल मिले।देवतायें बहुत बलवाले थे ।विश्व पर राज्य करते थे।अब फिर विश्व का मालिक बाप बनाते हैं।बाप सर्वशक्तिवान है ना तो उनसे ताकत पाय कर बलवान बनना है।कहते हैं ईश्वर यह नहीं कर सकता है क्या?नहीं, बाप आये ही हैं पावन बनाने।घर का रास्ता बताने।पतित आत्मा तो जाये नहीं सकेगी।बाप आते ही हैं तमोप्रधान से सतोप्रधान बनाने।बाप से शक्ति मिलती है जन्म जन्मांतर के पाप भस्म करने के लिए।वो समझते हैं कृष्ण शक्तिवान था।स्वदर्शन चक्र फिराता और विनाश करना था।यह तो हिंसा हो गई।तुम्हारा अहिंसा परमो देवी देवता धर्म स्थापन होता है।योगबल में कोई हिंसा की बात नहीं।तुम बच्चों को किसी को नाराज़ भी नहीं करना है।मुख से रत्न ही निकलने चाहिए।यह बहुत मीठे वर्शन्स हैं बाप के।समझाते हैं बच्चे तुम सतोप्रधान से तमोप्रधान बने हो।अब फिर सतोप्रधान बनने लिए मुझे याद करो।स्तुति–निंदा ,मान–अपमान सब

सहन करना है।बिगड़ना करना नहीं है।युक्तियां सब बतलाई जाती हैं।कोई हालत में समझाया जाता है कि आंख दिखानी पड़ेगी।हरेक पूछ सकते हैं।सरकमस्टांस देखना पड़ता है।राय देनी होती है।।कोई समय डंडे से डंडा मारना पड़े।नहीं तो हेर पड़ जावे।रोज़ ही डंडा मारते रहें।प्यार से काम ना चले तो आंख दिखानी पड़े।हरेक के सरकमस्टांस अलग होते हैं।दवाई सबकी एक जैसी नहीं होती।बाकी यह सम्भालना है हमसे कोई विकर्म पाप ना हो।नहीं तो सौ डंड पड़ेगा और ऐसे पाप करते2 गिर पड़ेंगे।बाप पूछते हैं जीवन में कोई विकर्म किया होतो लिख कर बताओ तो क्षमा हो जावेगा।सारे दिन का भी पोतामेल निकालना चाहिए।कोई पाप तो नहीं किया।किसी को कड़वा तो नहीं बोला।हेर पड़ जावेगी तो फिर खबरदार रहेंगे।उंच ते उंच बाप का बच्चा अगर पाप करेगा तो कितनी नैलत पड़ेगी।बहुत चोरी आदि काम करते हैं ;परंतु उंच पद ना पाना है तो सच नहीं बताते हैं।छिपाते रहते हैं।बाप समझ जाते हैं कि पद उंच ना पाना है।बाबा कहें और ना करे तो और भी सौना दण्ड पड़ जावे।इसलिए समझाते रहते हैं ऐसा कोई चोरी आदि का काम ना करना है।किसी को दुःख देना ,चीज़ उठाना पाप है।सब कुछ मिल सकता है।मगर तकदीर में ना है तो कुछ ना कुछ करते ही रहते हैं।बाबा खुद देखते रहते हैं झूठ बोलते हैं।बाप समझ जाते हैं इनकी तकदीर में नहीं हैं।बाप कर ही क्या सकते हैं?बाप हर बात में समझानी देते रहते हैं।आजकल दुनियां में सबसे प्रेम से चलना होता है।दुश्मन होने से मारने पर भी देरी ना करे।अपनी कमाई में तत्पर रहना चाहिए।यह कमाई का बड़ा अच्छा समय है।बारबार अपने को सावधान करना होता है।मैं पापात्मा से पुण्यात्मा बन रहा हूँ?हम पाप कैसे कर सकते?पापों से तो हमेशा डरना होता है।किसी को खराब नज़र से देखना वो भी पाप है।माया ऐसे2 पाप कराती है।फिर योग बल से काटने है।।माया जोर कर गिराती है।फिर खड़ा होना चाहिए।इसमें है सारा बुद्धि का काम।यह सबके लिए समझाते हैं।सैंटर में हर प्रकार के आते हैं।शुक्रिया मानना चाहिए।बाप से पूरा वर्सा लेंगे।ऐसा कुछ पाप ना करेंगे।जो कि वहां सजा खानी पड़े।कोई शैतानी अंदर में नहीं होनी चाहिए।अंदर–बाहर साफ चाहिए।बच्चे जानते हैं कि हमको दैवी गुण धारण कर ऐसा बनना है।देवताओं की महिमा गाई जाती है ना।अभी हमको ऐसा सर्वगुण सम्पन्न.....
.....बिल्कुल मीठा, शांत स्वरूप बनना हे।जांचना होता है हमारे में कोई अवगुण तो नहीं है।अच्छा,मीठे2 सर्विसेबुल सिकीलधे रुहानी बच्चों को मातपिता बापदादा का दिल वा जान से यादप्यार और गुडनाइट।